News Kranti

NEWS क्रांति

वाराणसी। भारत एक बड़ी आर्थिक षक्ति के रूप में उभर रहा है। यहां पर दीर्घकाल में जनसंख्या लाभांष के चलते ग्लोबल हैल्थकेयर लीडर्स ने जीवनषैली के कारण उत्पन्न होने वाली बीमारियों, जैसे डायबिटीज़, एनीमिया, हाईपरटेंषन एवं मोटापे के बारे में चेताया है, जिस वजह से देष की उत्पादकता एवं आउटपुट कम हो जाता है। उन्होंने इन समस्याओं का युद्धस्तर पर समाधान करने के लिए 'एक्ट टुडे टू चेंज टुमाॅरो' की प्रिवेंटिव कार्ययोजना अपनाने के बहुआयामी दृश्टिकोण पर बल दिया है।

इस समस्या के समाधान की जरूरत पर बल देते हुए मषहूर गायनेकोलाॅजिस्ट, डाॅ. हेमा दिवाकर, वाईस चेयर आॅफ प्रिग्नेंसी एंड नाॅन कम्युनिकेबल डिज़ीज़ेज कमिटी (पीएनसीडीसी), इंटरनेषनल फेडरेषन आॅफ गायनेकोलाॅजी एंड आॅब्सटीट्रिक्स (फीगो) ने बताया कि डायबिटीज़ भारत के 80 मिलियन लोगों तक पहुंच चुकी है और अगले दषक में इसमें 74 फीसदी विस्तार और हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''यह डायबिटीज़ की स्थिति है। यदि हम मोटापा, हाईपरटेंषन एवं एनीमिया से पीड़ित लोगों की भी गणना करें, तो उनकी संख्या बहुत ज्यादा है।

डाॅ. मोहसे एचओडी, चेयर-पीएनसीडीसी, फीगो ने बताया कि विकासषील देषों में सरकारी अस्पतालों में एनीमिया एवं डायबिटीज़ के लिए गर्भवती महिलाओं की जाँच व स्क्रीनिंग अभी भी परिपक्व नहीं हुई है। उन्होंने कहा, ''इस स्थिति में एआई एवं टेक्नाॅलाॅजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ऐसी डिवाईस उपलब्ध हैं, जो गर्भवती महिलाओं को अनुषासित जीवन जीने में मदद कर सकती है। हैल्थकेर सर्विस प्रदाताओं को ऐसे मामलों का निरीक्षण करने एवं फौलो-अप करने में मदद कर सकती हैं तथा जब इलाज की जरूरत हो, तो उसके बारे में सावधान कर सकती हैं। हमें अस्पतालों में एक मजबूत व्यवस्था के निर्माण की जरूरत है, जिसमें सर्विस प्रदाता महत्वपूर्ण टेस्ट विषेशज्ञों के बिना कर सकें।''

डाॅ. लियोना सी वाई पून, सदस्य – पीएनसीडीसी, फीगो का मानना था कि भविश्य की सेहतमंद पीढ़ी के लिए संबंधित स्टेकहोल्डर्स की संलग्नता आवष्यक है। उन्होंने कहा, ‘‘हाँगकाँग में हमने इस माॅडल का सफल क्रियान्वयन किया और हमें परिणामों में सुधार दिखाई दे रहे हैं। भारत में एक मजबूत व्यवस्था होनी चाहिए ताकि सभी गर्भवती महिलाओं की जाँच व इलाज प्रभावषाली तरीके से हो सके और जिंदगी में बाद में पता चलने वाली इन एनसीडी का इलाज पहले ही किया जा सके।’’

डाॅ. राजेष जैन, कोलाबोरेटर, वल्र्ड डायबिटीज़ फाउंडेषन अभियान ने बताया कि केंद्र व राज्यों की विविध एजेंसियों को कनेक्ट होने व सहयोग करने की जरूरत पर जागरुक किया गया है। उन्होंने कहा, ‘‘मल्टीस्टेकहोल्डर इंगेज़मेंट को फिट इंडिया अभियान में सहयोग करना चाहिए। हम इस स्थिति में नहीं कि हम विषेशज्ञों एवं मरीजों के बीच के अनुपात को नियंत्रित करें। भविश्य में हमें एक प्रभावषाली प्रिवेंटिव हैल्थकेयर कार्ययोजना का विकास करना होगा।’’

https://newskranti.com/%e0%a4%ab%e0%a4%bf%e0%a4%9f-%e0%a4%87%e0%a4%82%e0%a4%a1%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%85%e0%a4%ad%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a4%b9%e0%a4%a4-%e0%a4%a6/